Mansa

Date______ Page______

History   D – Part-02
                       B.A. Part-2

Paper-03   Unit – 05

Topic :- Sufism   Dated : 20/04/2020

Dr. Md. Shakil Akhtar, (lect - 20)

विकास :- शाह वलीउल्लाह ने सूफीमत के विकास को चार चरणों में विभाजित माना है।

(i) नवीं शताब्दी तक का है। इस काल में सूफियों का अपना ध्यान मुख्यत: प्रार्थना, उपवास और अल्लाह का नाम स्मरण की ओर रहा।

(ii) 10वीं - 11वीं शताब्दी - इस काल में संतों में एकांतमय चिंतन और रहस्यवादी अनुभवों के प्रति अभिरुची रहा। रवानकाहों का आरंभिक रूप, सर्वात्मवादी (Pantheistic) विचारों की अभिव्यक्ति इसी काल में देखने को मिलता है।

(iii) 11वीं - 12वीं शताब्दी - संतों में ईश्वर के प्रति प्रेम और श्रद्धा से एक अध्यात्मिक संबंध और दैवी अनुभूति (तवज्जुह) के प्रति अधिक अभिरुचि रहा। इनमें कुछ संत अपने अस्तित्व को दैवी अस्तित्व में लीन (फ़ना, Fana) करने की कामना से प्रेरित रहे। इनमें धार्मिक कार्यों जैसे नमाज, रोज़ा का महत्व अधिक नहीं रहा।

(iv) 12वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुआ जब सूफीमत के सिद्धांतों और मूल विचारों को स्पष्ट अभिव्यक्ति मिली। इसी चरण में इब्ने अरबी

Mansa
Date Page

द्वारा वहदत-अल-वुजूद (अस्तित्व की एकता) का विचार प्रस्तुत किया। इसी काल में आध्यात्मिक विकास के विभिन्न चरणों की प्रस्तुती हुई जिसका अंत मारिफत या वास्तविक ज्ञान की प्राप्ति में होता है।

सूफियों के अपरंपरागत विचारों को उलेमा ने पथभ्रष्ट माना। सर्वात्मवादी विचारों का विशेष विरोध हुआ क्योंकि इस्लाम में शिर्क अर्थात अल्लाह के समतुल्य किसी को मानना पूर्णतः वर्जित था। इस टकराव ने शरीयत और तरीकत को दो परस्पर विचारों के रूप में देखने की प्रवृत्ति बढ़ी। इसी कारण सूफियों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। मंसूर को अनलहक अर्थात मैं ही सत्य हुं के कारण जान गवानी पड़ी।

इमाम गज़ाली ने सिद्ध किया कि शरीयत और तरीकत परस्पर विरोधी नहीं है बल्कि एक दूसरे के सम्पूरक हैं और दोनों का उद्गम - कुरान और हदीस से हुआ है। इसके पश्चात सूफीमत को मान्यता मिली और प्रचार-प्रसार और विभिन्न सूफी-सम्प्रदायों का गठन आरंभ हुआ।

⇒ भारत में प्रवेश :- भारत में सूफियों का आगमन महमूद गजनवी के आक्रमणों के समय से ही देखा जा सकता है। आरम्भिक महत्वपूर्ण संतों में शेख अली हुजवीरी जो 11वीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में लाहौर में आकर बसे। उन्होंने

Mansa
Date Page

सूफीमत पर पहली प्रसिद्ध रचना 'कशफुल महजूब' नामक रचना लिखी। इसके पश्चात गुजरात, सेहवान आदि में सूफियों का आगमन हुआ।

12वीं शताब्दी के अंत में मोहम्मद गौरी के अभियानों के काल में सूफियों का भारत में प्रसार हुआ। उनके समुदाय या सिलसिले भारत में संगठित होने लगे।

⇒ सूफी सम्प्रदाय :— सूफी सम्प्रदायों का मुख्य विभाजन दो श्रेणीयों में किया गया।

⇒ 1. बा-शरा (Ba Shara) — वे जो शरीयत की प्रधानता को स्वीकारते थे और उसके आदेशों का उल्लंघन नहीं करते थे।

⇒ 2. बे-शरा (Be-Shara) अर्थात वे जो शरीयत की प्रधानता को नहीं मानते थे और उसके आदेशों की अनदेखी करते थे। जैसे मलंग, कलंदर और सदा सूहागन आदि।

⇒ बा-शरा भारत में अधिक लोकप्रिय हुए, जैसे चिश्ती, सुहरवर्दी, कादिरी, शत्तारी, नक्शबंदी और फिरदौसी जो बिहार में सर्वाधिक लोकप्रिय रहे।

बा-शरा दो सम्प्रदायों में बंटे थे।
(a) वुजूदिया जो इब्ने अरबी के वहदत-अल-वुजूद (अस्तित्व की एकता) में विश्वास रखते थे।